जिनको है बेटियाँ वो ये कहते है गीत लिरिक्स

जिनको है बेटियाँ,
वो ये कहते है,
परियो के देश में,
वो तो रहते है,
घर को जन्नत का,
नाम देते है,
जिनकों हैं बेटियाँ,
वो ये कहते है।bd।

तर्ज – फूलो का तारो का।

हँसती है जब बेटियाँ तो,
मोती झरते है,
चलती है लहरा के,
तो फूल खिलते है,
पलकें उठाती तो,
उजाले होते है,
परियो के देश में,
वो तो रहते है,
घर को जन्नत,
का नाम देते है,
जिनकों हैं बेटियाँ,
वो ये कहते है।bd।

लाखों मन्नत में होती है,
एक बेटी कबूल,
बेटी तुलसी आँगन की,
ये नहीं बबुल,
इनके कुमकुम कदम,
शुभ फल देते है,
परियो के देश में,
वो तो रहते है,
घर को जन्नत,
का नाम देते है,
जिनकों हैं बेटियाँ,
वो ये कहते है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बेटियों से होते है,
दो आँगन खुशहाल,
मात पिता की शोभा,
ससुराल का श्रृंगार,
‘प्रदीप’ नसीब वाले,
बेटी पाते है,
‘पारेख’ नसीब वाले,
बेटी पाते है,
घर को जन्नत,
का नाम देते है,
जिनकों हैं बेटियाँ,
वो ये कहते है।bd।

जिनको है बेटियाँ,
वो ये कहते है,
परियो के देश में,
वो तो रहते है,
घर को जन्नत का,
नाम देते है,
जिनकों हैं बेटियाँ,
वो ये कहते है।bd।

Singer – Vicky D Parekh

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com